रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगी नई शिक्षा व्यवस्था– प्रो. मिश्र
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

जबलपुर 01 मई। दो दिवसीय कार्यशाला में देश–विदेश के विद्वानों ने राजसत्ता को नई दिशा दी। नई शिक्षा व्यवस्था भारतीय ज्ञान परंपरा, सभ्यता एवं संस्कृति पर आधारित होगी। ऐसी बौद्धिक चर्चाएं होती रहनी चाहिए। इससे नित नए ज्ञान का संचार होता है। उम्मीद है आगे भी ऐसी कार्यशालाएं होती रहेंगी। ये बातें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिलदेव मिश्र ने विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर कही अध्यक्ष की आसंदी से कही।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान व सीपीआरजी नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में नई शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान प्रणाली के आलोक में राजनीति विज्ञान की शिक्षा की स्थिति पर चर्चा विषय पर आयोजित कार्यशाला के समापन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव शर्मा पूर्व कुलपति महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार रहे।

प्रो. शर्मा ने कहा कि राजव्यवस्था के संदर्भ में प्राचीन भारतीय ग्रंथों में नारद–युधिस्ठिर संवाद के माध्यम से राजा के कर्तव्य और संपति के मालिकाना हक को लेकर प्राचीन भारत की व्यवस्था को सबके सामने रखा गया है। वर्तमान में सेवा भारती, वनवासी परिषद द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि विकास की भारतीय संकल्पना को बिना पढ़े नहीं समझा जा सकता। उन्होंने वर्तमान लेखकों, शिक्षकों, चिंतकों की ज्ञान मीमांसा पर चिंता जाहिर की। साथ ही भारतीय राजनीति विज्ञान शोध पत्रिका को पढ़ने और उसका अनुसरण करने की बात कही।

कार्यशाला को विशिष्ट अतिथि श्री केएन रघुनंदन राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान ने भ ने कहा कि शिक्षा भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर आधारित होना चाहिए जिससे युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति से उन्हें ज्ञान प्राप्त प्राप्त हो सके हो सके।

आभार प्रदर्शन प्रो. राम शंकर ने किया। इस दौरान डा. शशिरंजन अकेला, प्रो. राम शंकर, डा. आशीष मिश्रा, डा. अतुल दुबे, डा. विश्वास पटेल समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. नरेंद्र कुश्ती डॉक्टर नरेंद्र कोष्टी, श्री आनंद कुमार, डॉ. सत्यप्रकाश त्रिपाठी डॉक्टर अजय मिश्रा, डॉ हरीश यादव, डॉ सुरेश पांडे, डॉक्टर सरिता यादव, डॉ अभय सिंह, डॉ अनुज प्रताप उपस्थित रहे